श्री हनुमान मंत्र (जंजीरा)

ॐ हनुमान पहलवान पहलवान, बरस बारह का जबान,
हाथ में लड्डू मुख में पान, खल□ खल□ गढ़ लंका क□ चौगान,
अंजनी का पूत, राम का दूत, छिन में कीलौ
नौ खंड का भूत, जाग जाग हड़मान (हनुमान)
हुंकाला, ताती लोहा लंकाला, शीश जटा
डग ड□रू उमर गाज□वज्र की कोठड़ी ब्रज का ताला
आग□अर्जुन पीछ□भीम, चोर नार चंप□
न□सींण, अजरा झर□भरया भर□ई घट
पिंड की रक्षा राजा रामचंद्र जी लक्ष्मण कुंवर हड़मान करें। (हनुमान)

इस मंत्र की प्रतिदिन एक माला जप करन□स□मंत्र सिद्ध हो जाता है। हनुमान मंदिर में जाकर साधक अगरबत्ती जलाएं। इक्कीसवें दिन उसी मंदिर में एक नारियल व लाल कपड़□की एक ध्वजा चढ़ाएं। जप क□बीच होन□वाल□ अलौकिक चमत्कारों का अनुभव करक□घबराना नहीं चाहिए। यह मंत्र भूतप्र□-, डाकिनीशाकिनी-, नजर, टपकार व शरीर की रक्षा क□लिए अत्यंत सफल है।

च□ावनी हनुमान जी की कोई भी साधना अत्यंत सावधानी और सतर्कता स□करना चाहिए। यह साधना अगर : शुद्धता :पलट कर आ जाए तो साधक पर ही भारी पड़ सकती है। अत, पवित्रता और एकाग्रता का विश□ ध्यान रखा जाए।